पर्यावरण अवनयन एवं प्रबन्धन

Environmental Degradation and Management

डॉ. अनिल कुमार सिन्हा

डॉ. अजीत कुमार यादव

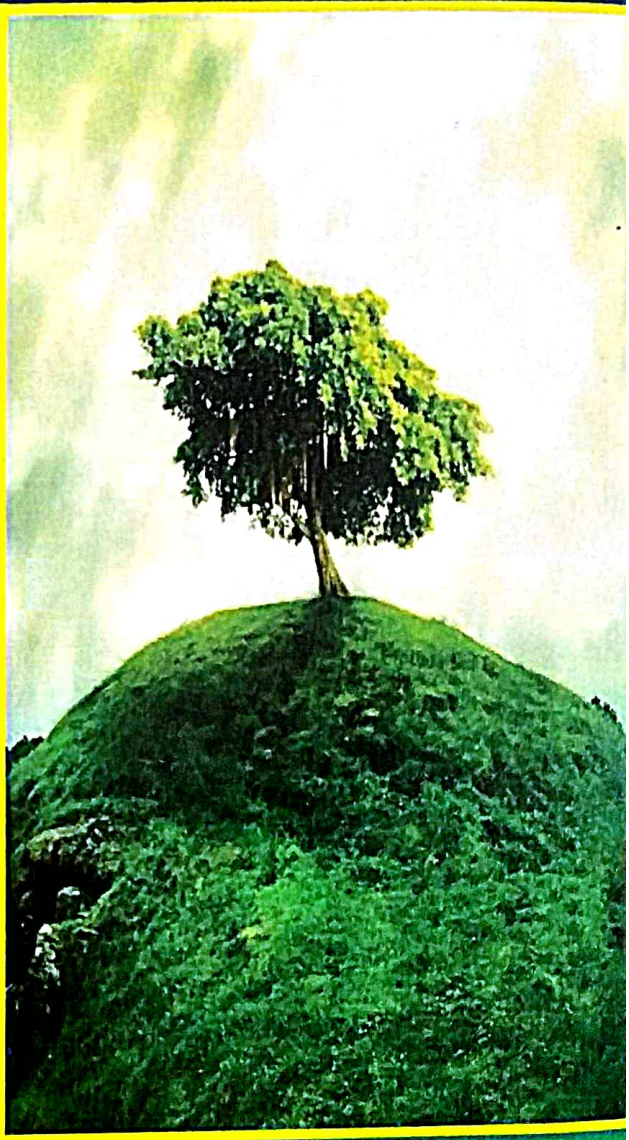

पर्यावरण अवनयन एवं प्रबन्धन

Environmental Degradation and Management

डॉ. अनिल कुमार सिन्हा
डॉ. अजीत कुमार यादव

गंगा प्रकाशन

अनुक्रमणिका

1	भारतीय संस्कृति एवं परम्परागत भारतीय ज्ञान में पर्यावरण *–प्रो. गणेश कुमार पाठक*	1
2	मानव जनित आपदाएं: कारण एवं निवारण एक भौगोलिक अध्ययन *–प्रो. (डॉ.) चिन्तामणि देवी*	34
3	प्राकृतिक आपदा का प्रभाव एवं मूल्यांकन: छत्तीसगढ़ राज्य का एक भौगोलिक विश्लेषण *–डॉ. अजीत कुमार यादव*	47
4	वन, जल और जैव विविधता: चुनौतियाँ और संरक्षण *–डॉ. कुलदीप सिंह*	71
5	महासागरों, समुद्रों और समुद्री संसाधनों का संरक्षण और सतत उपयोग *–डॉ. लोकेश चौहान*	86
6	प्राकृतिक खतरे और आपदा जोखिम में कमी *–रजनी कुमारी*	94
7	भूस्खलन एवं ग्लेशियर प्रबंधन *–डॉ. बबली रानी*	104
8	भूमि क्षरण और मरुस्थलीकरण की चुनौतियाँ *–डॉ. नीरज कुमार*	118

9 बंगाल की खाड़ी में उत्पन्न प्राकृतिक आपदाओं का एक भौगोलिक विश्लेषण 135
—*मनीष कुमार यादव*

10 हिमालयीन क्षेत्रों की प्रमुख प्राकृतिक आपदाएं एवं प्रभाव : एक भौगोलिक विश्लेषण 167
—*प्रेमचन्द यादव*

11 वनोन्मूलन एवं प्रबंधन 188
—*मेघनाथ सिदार*

12 पर्यावरणीय घटकों की गुणवत्ता का हरास 202
—*डॉ. मनोज कुमार यादव*

13 पर्यावरणीय समस्याएं तथा सतत् पोषणीय विकास 216
—*राजकुमार कुर्रे*

14 पर्यावरण प्रबंधन हेतु संवैधानिक प्रयास 229
—*दिलीप कुमार देवांगन*

15 पर्यावरण एवं खनन उद्योग का एक भौगोलिक विश्लेषण 236
—*श्रीमती छतेश्वरी चौहान*

16 Environmental Problems and Sustainable Development 246
—*Dr. Anil Kumar Sinha, Rajib Jana*

डॉ. अनिल कुमार सिन्हा वर्तमान में छत्तीसगढ़ शासन, उच्च शिक्षा विभाग अंतर्गत राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर, छत्तीसगढ़ के भूगोल विभाग में कार्यरत हैं।

स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में 33 वर्षों के अध्यापन के साथ-साथ विश्वविद्यालय प्रशासनिक कार्यों में 09 वर्षों का अनुभव प्राप्त है। आपके मार्गदर्शन में 05 छात्रों को पी-एच.डी. शोध उपाधि प्राप्त है तथा वर्तमान में 03 शोध छात्र अध्यनरत है। अब तक आपके 35 शोध आलेख राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय रिसर्च जनरल में प्रकाशित है। इसके साथ-साथ आपके 09 आलेख पुस्तक अध्याय के रूप में भी प्रकाशित है।

भारत में जल संसाधन विकास एवं नियोजन, भारत में कृषि विकास, आपदा प्रबंधन एवं भारत में सामाजिक-आर्थिक विकास एवं नियोजन नाम से चार पुस्तकें भी प्रकाशित हैं। आपके द्वारा यूजीसी एवं अन्य राष्ट्रीय संस्थानों के अनेकानेक शोध परियोजनाओं का संचालन तथा राष्ट्रीय सेमिनार एवं कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है।

डॉ. अजीत कुमार यादव का जन्म 15 जुलाई 1979 को ग्राम बुढ़नपुर, पोस्ट- शिशुआपार (सादात) जिला-गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) में हुआ। आपकी प्रारंभिक शिक्षा ग्राम बुढ़नपुर से हुई है। आपने स्नातक पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर, स्नातकोत्तर एवं पी-एच.डी. की उपाधि दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर उत्तर प्रदेश से प्राप्त की है।

सम्प्रति- आप वर्तमान में सन्त गहिरा गुरू विश्वविद्यालय सरगुजा अम्बिकापुर (छत्तीसगढ़) से सम्बद्ध गुरूकुल कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय पत्थलगांव जिला-जशपुर (छ.ग.) में विभागाध्यक्ष भूगोल एवं प्राचार्य के पद पर कार्यरत हैं।

पुस्तक- समन्वित ग्रामीण विकास में सेवा केन्द्रों की भूमिका। ग्रामीण भारत में महिला सशक्तिकरण एवं रोजगार के अवसर: छत्तीसगढ़ के विशेष सन्दर्भ में, पर्यावरणीय चिन्तन : वैश्विक एवं भारतीय परिप्रेक्ष्य में, पर्यावरण अध्ययन, भारत में सामाजिक-आर्थिक विकास एवं नियोजन, आपदा प्रबन्धन। आपके द्वारा लिखित विभिन्न पुस्तकों में अध्याय भी प्रकाशित होते रहते हैं। राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में दो दर्जन से अधिक शोध पत्र एवं राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में शोध पत्र वाचन किया है।

उप विषय

(1) पर्यावरणीय घटकों की गुणवत्ता का ह्रास (2) वनोन्मूलन एवं प्रबंध (3) जैव विविधता ह्रास तथा इसका संरक्षण (4) प्राकृतिक संसाधनों की संपोषणीयता (5) पर्यावरण तथा खनन एवं उद्योग (6) भूमि, जल, मृदा, अवनयन एवं प्रबंधन (7) पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (8) पर्यावरणीय समस्याएं तथा सतत् पोषणीय विकास (9) जलवायु परिवर्तन के भारतीय साक्ष्य (10) पर्यावरण प्रबंधन हेतु संवैधानिक प्रयास

गंगा प्रकाशन

ब्रांच ऑफिस : एल-9ए, गली नं. 42, सादतपुर एक्सटेंशन, दिल्ली - 110094

हेड ऑफिस : मकान नं. 43, बल्दिहाँ, सैदाबाद, प्रयागराज, उ.प्र. - 221508

मोबाइल : 9811945259, 8368613868 E-mail : prakashanganga@gmail.com

978-93-5514-758-5

₹ 1000